अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–पुण्य-पाप–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

पुण्य–किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) दस अंग वाली भोग सामग्री कौन सी है?

(ख) जीव अकर्कश वेदनीय कर्म का बंध कैसे करते हैं?

(ग) शुभ नाम कर्म किसे कहते हैं?

(घ) विनय तत्वार्थ किसे कहते हैं?

(ङ) दान के सम्बन्ध में किसे विशेष दिशा सूचक कहा है। इसका उल्लेख किन आगमों में आया है?

(च) प्रवचन प्रभावना किसे कहते हैं?

पाप–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) श्रुतज्ञानावरणीय कर्म किसे कहते हैं?

(ज) द्रव्य योग व भाव योग किसे कहते हैं?

(झ) ठाणं सूत्र में अंतराय कर्म के कितने व कौन से भेद बताए हैं, उसका संक्षिप्त वर्णन करें।

(ञ) गौरव का अर्थ बताते हुए उसके भेदों की संक्षिप्त व्याख्या करें।

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **पुण्य**–सिद्ध करें कि पुण्य केवल सुख उत्पन्न करता है? ***अथवा*** भिक्षु ग्रन्थ रत्नाकर में आचार्य भिक्षु द्वारा बताए गए उदाहरण को स्पष्ट करें।

(ख) **पाप**–असाता वेदनीय कर्म पर टिप्पणी लिखें। ***अथवा*** मोहनीय कर्म के स्वभाव व उसके भेदों का उल्लेख करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 24

(क) **पुण्य**–पौदगलिक सुख व आत्मिक सुख में क्या अंतर है? ***अथवा*** क्या सावद्य दान से पुण्य प्राप्त होता है?

(ख) **पाप**–चारित्र मोह कर्म की प्रकृतियों व उत्तर प्रकृतियों का वर्णन करें। ***अथवा*** दर्शनावरणीय कर्म पर विस्तार से प्रकाश डालें।

अवबोध (निर्जरा से देवगति)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 6

(क) चौदहवें गुणस्थान में कौन सी निर्जरा मानी गई है?

(ख) बंध के चारों प्रकारों में मूल बंध कौन सा है?

(ग) मोक्ष में क्रिया नहीं है, फिर आत्मा के भेद क्यों?

(घ) क्या अकर्म भूमि से सिद्ध हो सकते हैं?

(ङ) तेजस समुद्घात किसे कहते हैं?

(च) किस संहनन वाला दसवें देवलोक में उत्पन्न हो सकता है?

(छ) व्यंतर देवियों की जघन्य व उत्कृष्ट स्थिति कितनी है?

(ज) प्रत्येक बुद्ध सिद्ध किसे कहते हैं?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो तीन वाक्य में दें– 12

(क) किस योनि से निकलकर बने मनुष्य सबसे कम और सबसे ज्यादा सिद्ध हो सकते हैं?

(ख) क्या मिथ्यात्वी के सकाम निर्जरा हो सकती है?

(ग) क्या जबरदस्ती क्रिया करने से निर्जरा होती है?

(घ) पुण्य का बंध कौन सा भाव, कौन सी आत्मा?

(ङ) बंध से पूर्व कर्म वर्गणा ज्ञानावरणीय आदि प्रकृतियों में विभक्त होती है?

(च) सिद्ध शिला पर जब सिद्ध नहीं रहते, फिर इसे सिद्ध शिला क्यों कहते हैं?

(छ) जब लिंग बाधक नहीं है, तब नपुंसकलिंगी में सम्यक्त्व का निषेध क्यों किया गया?

(ज) सिद्धों के आत्म प्रदेश लोकांत भाग में यों ही छितर जाते हैं या किसी आकार विशेष में अवस्थित होते हैं?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें– 12

(क) निर्जरा तो आठों कर्मों की होती है, फिर वर्णन केवल चार घातिक कर्मों की निर्जरा से प्राप्त गुणों का ही क्यों आता है?

(ख) शासन अधिष्ठायक देवी देवताओं का क्या क्रम है? क्या वे पूर्व निश्चित होते हैं या उनका क्रम भिन्न है?

(ग) एक समय में एक साथ कितने सिद्ध हो सकते हैं व क्या सिद्धों में प्राण व पर्याप्ति है?

(घ) तीन लोक (उर्ध्व, अधो और मध्य) में कहां से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है?

(ङ) देवताओं का आहार कौन सा होता है तथा देवलोक से देव च्युत (मर कर) होकर कहां-कहां जाते हैं?

गीतिका (दस दान, अठारह पाप)–20

प्र. 7 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें– 16

(क) साध सुपातर.....लीयो ए।

(ख) घणां नी.....दान ए।

(ग) आय मिले.....कही ए।

(घ) लेणात ने.....नाम ए।

(ङ) ए दान थी.....मिथ्यात ए।

(च) इविरत.....रो ए।

प्र. 8 किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 4

(क) कारूण्य दान किसे कहते हैं?

(ख) आठवां दान कौन सा है? यह किसकी प्राप्ति करवाता है?

(ग) किस दान से दरिद्रता दूर होती है?

(घ) जीव मोक्ष नगर का वरण कब करता है?

(ङ) संग्रह दान को भगवान की आज्ञा के बाहर क्यों बताया है?

(च) तत्त्व किसे व क्यों समझ में नहीं आता है?